श्याम मुरली तो बजने आओ

श्याम मुरली तो बजाने आओ,
रूठी राधा को मनाने आओ ।

ढूँढती है तुझे ब्रज की बाला,
रास मधुबन में रचाने आओ ।

राह तकते हैं यह गवाले कब से,
फिर से माखन को चुराने आओ ।

इंद्र फिर कोप कर रहा बृज पर,
नख पर गिरिवर को उठाने आओ ।

अपने 'शर्मा' को फिर से मनमोहन,
पाठ गीता का पढ़ाने आओ ।

स्वर : लखबीर सिंह लक्खा

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1650/title/shyam-murli-to-bajane-aao-roothi-radha-ko-manane-aao

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |